मेरी चाहत "हिंदी"

इफ्तखारूल हसन
रा.ज.सं., रूड़की

मेरी चाहत,
मेरी आरजू,
मेरी मौहब्बत,
ज़बान है हिंदी।

ऊंचाई में एवरेस्ट की चोटी,
गहराई समुन्दर की,
मधु की मिठास,
चंपा की सुगंध,
ज़बान है हिंदी।

शीतल गंगा जल सी,
कोमल कमल सी,
वाणी कोयल सी,
ज़बान है हिंदी।

जो भी मिला,
हमारा हुआ,
एकता की मिशाल,
ज़बान है हिंदी।

रसखान की जान,
सूरदास का इमान,
महादेवी की दुलारी,
ज़बान है हिंदी।

फारसी की बेटी,
अमीर खुसरो की प्यारी,
शून्य की जननी,
ज़बान है हिंदी।

सुख–दुःख सबका बांटे,
शिकवा कभी नहीं करती,
प्यार का धर्म निभाती,
ज़बान है हिंदी।

रखता चाहत की नजर,
इफ्तखार ज़बान है हिंदी।।